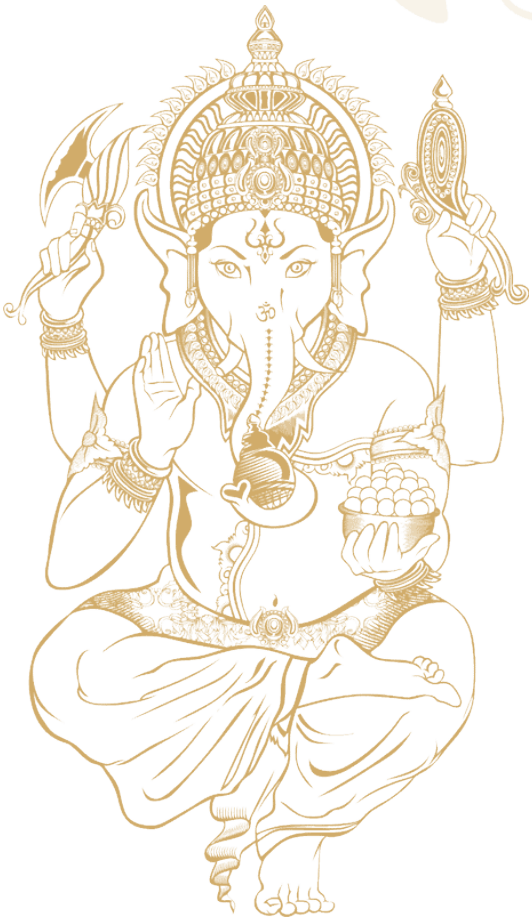

Manav Singh

22 Nov 1973

12:53 PM

Delhi

Model: Varshphal-2017

Order No: 120363501

तिथि 22/11/1973 **समय** 12:53:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:29:48
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	16:36:25 घं	गण	देव
वेलान्तर	00:13:55 घं	योनि	महिष
सूर्योदय	06:49:21 घं	नाड़ी	अन्त्य
सूर्यास्त	17:25:01 घं	वर्ण	शूद्र
चैत्रादि संवत	2030	वश्य	मानव
शक संवत	1895	वर्ग	मृग
मास	मार्गशीर्ष	युँजा	मध्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	वायु
तिथि	13	जन्म नामाक्षर	रू-रूपेश
नक्षत्र	स्वाति	पाया(रा.-न.)	रजत-रजत
योग	सौभाग्य	होरा	शनि
करण	वणिज	चौघड़िया	लाभ

विंशोत्तरी
राहु 16वर्ष 7मा 7दि
बुध
01/07/2025
01/07/2042

बुध	27/11/2027
केतु	23/11/2028
शुक्र	24/09/2031
सूर्य	31/07/2032
चन्द्र	30/12/2033
मंगल	27/12/2034
राहु	16/07/2037
गुरु	22/10/2039
शनि	01/07/2042

योगिनी
पिंगला 1वर्ष 10मा 4दि
उल्का
27/09/2023
26/09/2029

उल्का	26/09/2024
सिद्धा	26/11/2025
संकटा	28/03/2027
मंगला	28/05/2027
पिंगला	27/09/2027
धान्या	28/03/2028
भ्रामरी	26/11/2028
भद्रिका	26/09/2029

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			07:22:09	कुंभ	शतभिषा	1	राहु	राहु	---	0:00			
सूर्य			06:21:18	वृश्चि	अनुराधा	1	शनि	बुध	मित्र राशि	1.58	ज्ञाति	पितृ	विपत
चंद्र			07:42:01	तुला	स्वाति	1	राहु	राहु	सम राशि	0.94	पुत्र	मातृ	जन्म
मंगल	व		01:54:01	मेष	अश्विनी	1	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण	1.55	कलत्र	भ्रातृ	प्रत्यारि
बुध			17:41:47	तुला	स्वाति	4	राहु	सूर्य	मित्र राशि	0.98	अमात्य	ज्ञाति	जन्म
गुरु			13:21:27	मक	श्रवण	2	चंद्र	राहु	नीच राशि	0.90	भ्रातृ	धन	मित्र
शुक्र			23:09:57	धनु	पूर्वाषाढ़ा	3	शुक्र	शनि	सम राशि	1.02	आत्मा	कलत्र	साधक
शनि	व		10:05:45	मिथु	आर्द्रा	2	राहु	गुरु	मित्र राशि	1.17	मातृ	आयु	जन्म
राहु	व		05:20:27	धनु	मूल	2	केतु	मंगल	नीच राशि		---	ज्ञान	प्रत्यारि
केतु	व		05:20:27	मिथु	मृगशिरा	4	मंगल	सूर्य	नीच राशि		---	मोक्ष	अतिमित्र

लग्न-चलित

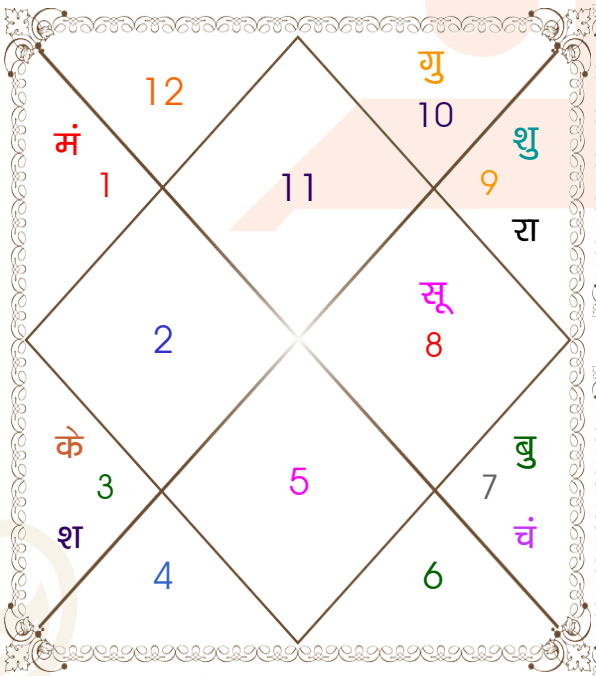

चन्द्र कुंडली

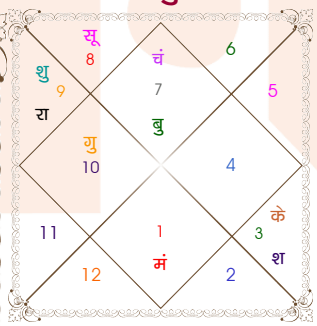

नवमांश कुंडली

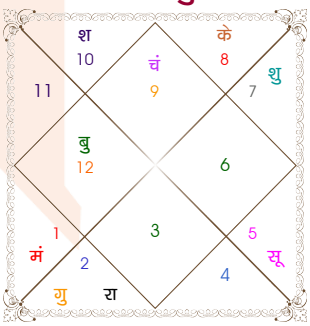

सर्वाष्टकवर्ग

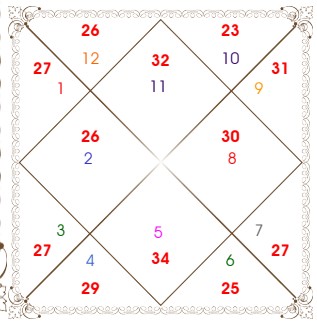

दशमांश कुंडली

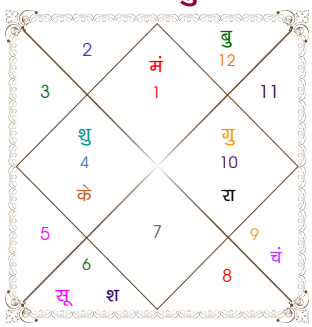

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता से आप परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति कर सकते है। साथ ही मानसिक स्थिति में यदा कदा अशान्ति तथा व्याकुलता रहेगी। शत्रु पक्ष इस समय आपके लिए समय समय पर समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे परन्तु आप दृढ़ता से उनका सामना करेंगे तथा अन्त में उन्हें पराजित करने में समर्थ रहेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा इसमें तनाव तथा कलह का भाव विद्यमान रहेगा । स्त्री से भी इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा अतः दामपत्य सुख में न्यूनता की अनुभूति रहेगी। मित्र या संबंधियों से भी संबंध सामान्य रहेंगे तथा उनसे वांछित सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। साथ ही विगत रूके हुए कार्य एवं मानसिक संकल्प भी इस वर्ष अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे इसके अतिरिक्त आर्थिक स्थिति में भी विशेष सुदृढ़ता नहीं रहेगी तथा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे यदा कदा आर्थिक परेशानी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष परिश्रम एवं संघर्ष शील रहेगा तथा अत्यधिक परिश्रम से ही आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ भी सामान्य ही रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय पदोन्नति में बाधाएं तथा विलम्ब होगा तथा विरोधी पक्ष प्रबल रहेगा। साथ ही सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश भी सामान्य ही रहेगा तथा सुखोभोग भी अल्प ही रहेगा। अतः विशेष शुभ फलों की प्राप्ति के लिए परिश्रमशील रहें आपको मध्यम फल ही प्राप्त होंगे।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति एवं सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। इस समय आपका शत्रुपक्ष प्रबल रहेगा तथा यदा कदा अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी परन्तु आप दृढ़ता पूर्वक उनका सामना करेंगे तथा अन्त में उन्हें पराजित करने में समर्थ रहेंगे। इस वर्ष में आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना हो सकती है अतः सावधान रहें। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण आपको परेशानी का सामना करना पड़ेगा परन्तु इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा तथा सामान्य रूप से धनार्जन होता रहेगा। इस समय आपकी यात्राएं भी सम्पन्न हो सकती है परन्तु इनमें लाभ अल्प मात्रा में ही होगा परन्तु यात्रा के मध्य शारीरिक या मानसिक परेशानी हो सकती है।

इस वर्ष में मित्रों तथा संबधियों से आपके सामान्य संबध अच्छे रहेंगे परन्तु इच्छित सहयोग एवं लाभ अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा साथ ही यदा कदा कोई विवाद भी उत्पन्न हो सकता है। नौकरी या व्यापार आदि के लिए भी समय सामान्यतया अनुकूल रहेगा तथा स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से आप वांछित उन्नति या सफलता प्राप्त करते रहेंगे। व्यापार में इस समय आप किसी नवीन कार्य की रूप रेखा तैयार कर सकते हैं। इस वर्ष में आपके रूके हुए कार्य भी बनेंगें तथा मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे। अतः आप अधिक परिश्रम करें तो यह वर्ष आपके लिए काफी उन्नतिदायक सिद्ध हो सकता है।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

प्रथम मास

22/11/2025 20:44:23 से 22/12/2025 10:07:39 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	24:42:27
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	06:21:19
चन्द्र		धनु	मूल	01:58:21
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:54:09
बुध	व	वृश्चिक	विशाखा	01:08:33
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:43:58
शुक्र		तुला	विशाखा	25:27:53
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:57:55
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:40:07
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	20:40:07
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	07:22:09

मासाधिपति

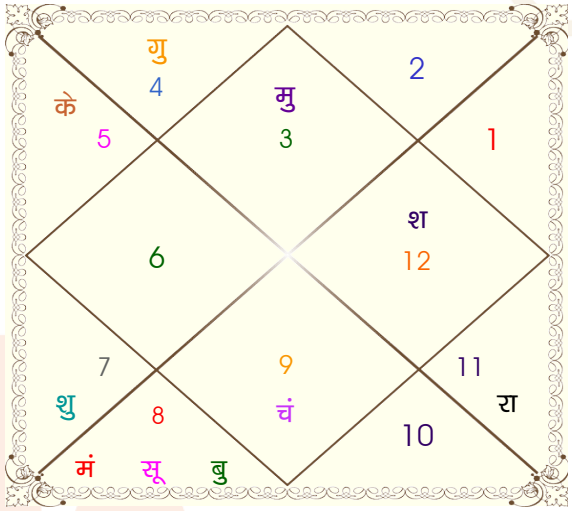

मासाधिपति : शनि

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा। इसके, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रुधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

द्वितीय मास

22/12/2025 10:07:39 से 20/01/2026 20:52:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	21:56:13
सूर्य		धनु	मूल	06:21:19
चन्द्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	00:00:28
मंगल		धनु	मूल	10:59:03
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	19:47:16
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	28:21:30
शुक्र		धनु	मूल	02:38:32
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:27:04
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	17:17:22
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	17:17:22
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	09:52:09

मासाधिपति

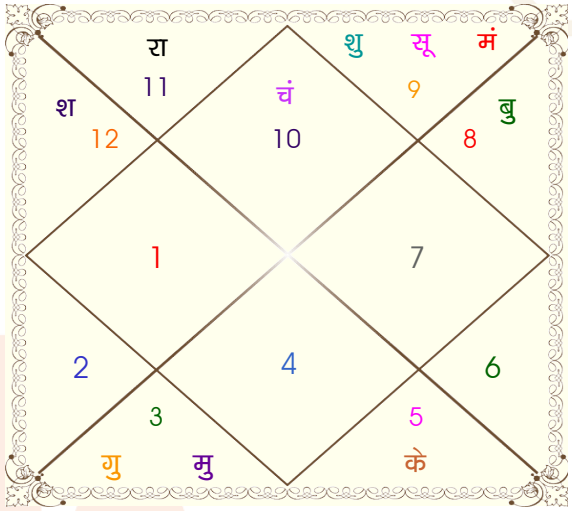

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को अर्जित करेंगे। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ एवं दुर्बलता की अनुभूति करेंगे साथ ही शत्रुपक्ष से भी अनावश्यक भय एवं चिन्ता का वातावरण रहेगा जिससे मन में अशान्ति उत्पन्न होगी। इस समय आपके घर में या अन्यत्र चोरी आदि भी हो सकती है। अतः आपको चोरों से सावधान रहना चाहिए। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी पूर्ण सहयोग रखें एवं उनकी आज्ञा का उलंघन न करें अन्यथा आप दंडित भी हो सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे साथ ही धन का भी अनावश्यक व्यय होगा तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी इस समय सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। सम्बन्धियों एवं मित्रों से भी आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा समाज से उपेक्षा प्राप्त कर सकते है। इसके अतिरिक्त आशाओं की पूर्ति में भी आप असफल ही रहेंगे।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे जिससे आप स्त्री से सुखी रहेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से अपने प्रमुख कार्यों को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव उत्पन्न होगा एवं यत्नपूर्वक आप इसका अनुपालन करेंगे। इस प्रकार आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

तृतीय मास

20/01/2026 20:52:13 से 19/02/2026 11:08:22 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:16:00
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:21:18
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	27:28:22
मंगल		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:38:19
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	05:41:09
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	24:31:00
शुक्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	09:41:16
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:22:08
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	15:08:57
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:08:57
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	12:22:09

मासाधिपति

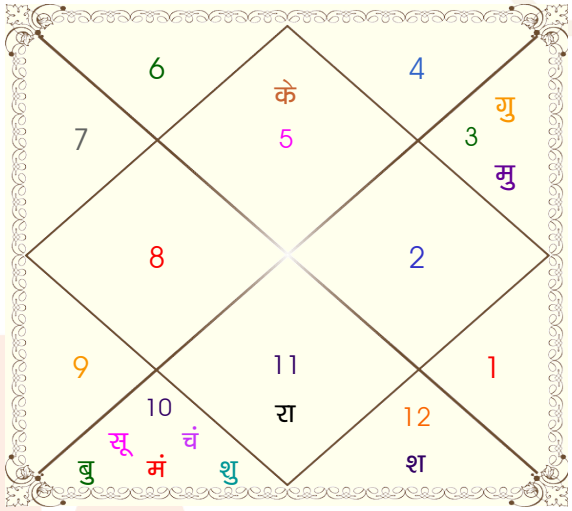

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ होगा तथा सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपका स्वास्थ भी उत्तम रहेगा तथा मन से भी पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इस क्षेत्र में आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। आपको इस मास वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति होगी तथा इनका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे। समाज तथा समाजिक जनों से आप पूर्ण आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे साथ ही विगत रूके हुए कार्यों में भी आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

इसके साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार का योग भी बनता है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी धन हानि होने की सम्भावना है अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

चतुर्थ मास

19/02/2026 11:08:22 से 21/03/2026 10:16:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	कृतिका	29:51:47
सूर्य		कुम्भ	धनिष्ठा	06:21:18
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:48:49
मंगल		मकर	धनिष्ठा	26:49:36
बुध		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:25:59
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:30:26
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	16:47:52
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:21:40
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:43:09
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:43:09
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	14:52:09

मासाधिपति

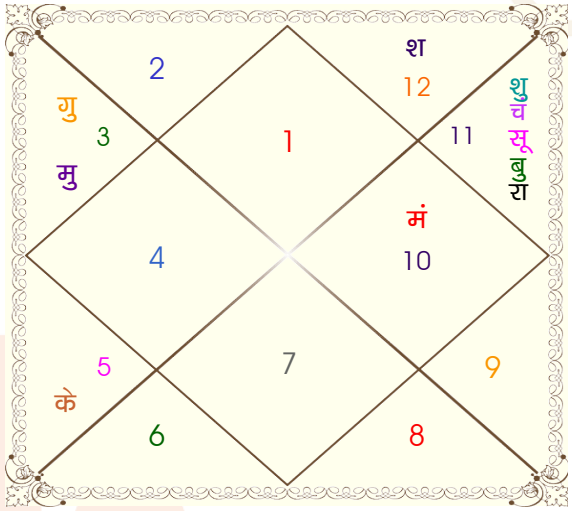

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

पंचम् मास

21/03/2026 10:16:17 से 20/04/2026 21:25:32 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	17:41:17
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	06:21:19
चन्द्र		मेष	अश्विनी	04:41:14
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:25:22
बुध		कुम्भ	शतभिषा	14:16:23
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:01:33
शुक्र		मीन	रेवती	24:04:56
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	09:58:31
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	14:39:16
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:39:16
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	17:22:09

मासाधिपति

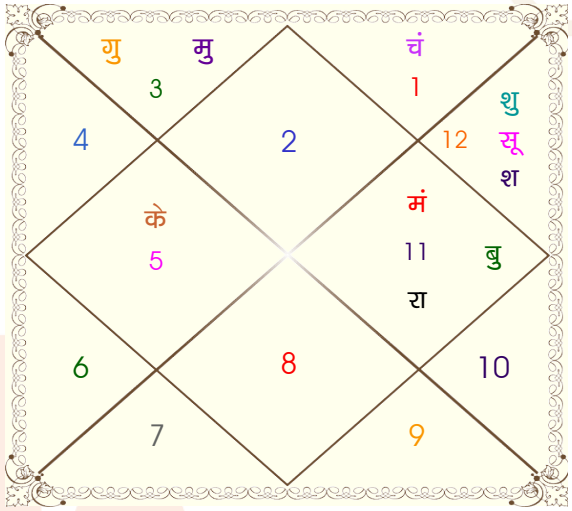

मासाधिपति : बुध

यह मास आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा आर्थिक स्थिति को सुधारने में सफल रहेंगे। इस मास आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध होंगे। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस समय आप मिष्ठान का उपभोग भी अधिक मात्रा में कर सकेंगे। इस मास आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा फलतः शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु वर्ग को पराजित करने में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो से भी आप धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा समाज में आपका यश व्याप्त रहेगा।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

षष्ठ मास

20/04/2026 21:25:32 से 21/05/2026 20:38:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	10:26:07
सूर्य		मेष	अश्विनी	06:21:19
चन्द्र		वृष	रोहिणी	20:25:49
मंगल		मीन	उ०भाद्रपद	14:11:31
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	13:59:54
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:21:41
शुक्र		वृष	कृतिका	01:30:22
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:43:23
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:18:26
केतु	व	सिंह	मघा	13:18:26
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	19:52:09

मासाधिपति

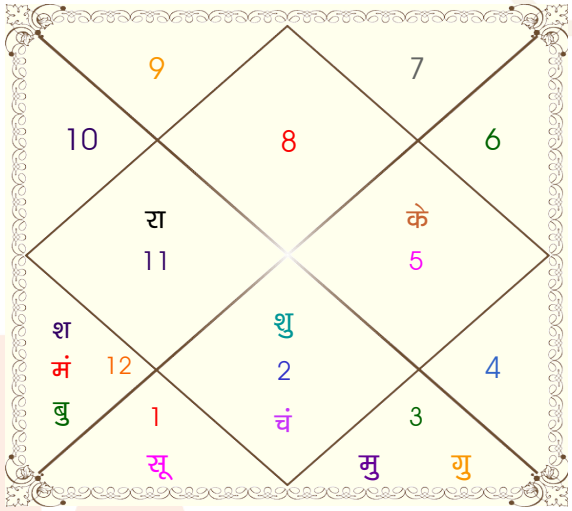

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

सप्तम् मास
21/05/2026 20:38:08 से 22/06/2026 04:35:37 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:36:52
सूर्य		वृष	कृतिका	06:21:19
चन्द्र		कर्क	पुष्य	13:03:35
मंगल		मेष	अश्विनी	07:47:58
बुध		वृष	रोहिणी	14:49:44
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	27:57:05
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	08:51:36
शनि		मीन	रेवती	17:04:56
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	10:29:18
केतु	व	सिंह	मघा	10:29:18
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	22:22:09

मासाधिपति

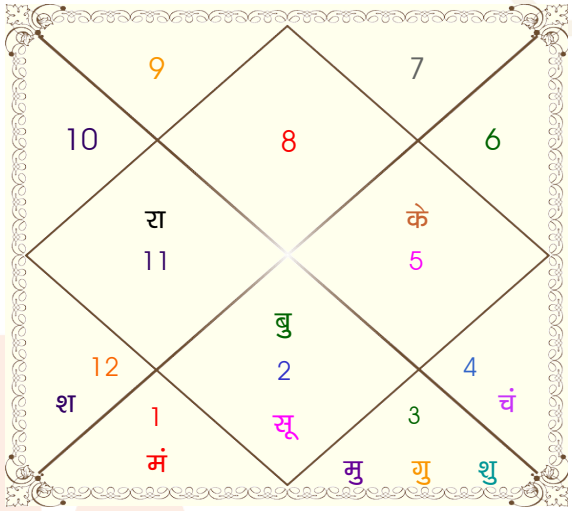

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप सामान्यतया शुभाशुभ फलों को अर्जित करेंगे इस समय आप शत्रुओं से अनावश्यक रूप से चिन्तित एवं भयभीत रहेंगे तथा घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक रूप से आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव अल्प मात्रा में रहेगा इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे इससे आप में दुर्बलता भी आएगी। इस मास में आप दूर समीप की यात्राएं भी करेंगे।साथ ही अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा इस समय मुकद्दमे आदि में भी धन का व्यय हो सकता है। अतः संयमपूर्वक इस समय को व्यतीत करें अन्यथा कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो सकती है।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा उससे आपको वांछित सहयोग भी प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा धन लाभ एवं सुखार्जन करने में भी आप न्यूनाधिक सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही समाज में आप यश भी प्राप्त करेंगे।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

अष्टम् मास
22/06/2026 04:35:37 से 23/07/2026 15:26:05 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	मृगशिरा	23:55:48
सूर्य		मिथुन	मृगशिरा	06:21:19
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:56:05
मंगल		वृष	कृतिका	00:51:35
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	29:44:43
गुरु		कर्क	पुष्य	04:01:15
शुक्र		कर्क	पुष्य	15:38:03
शनि		मीन	रेवती	19:30:24
राहु		कुम्भ	शतभिषा	07:41:38
केतु		सिंह	मघा	07:41:38
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	24:52:09

मासाधिपति

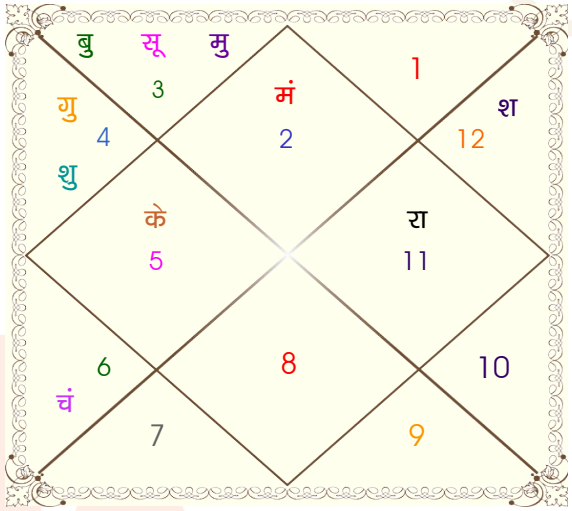

मासाधिपति : शनि

इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धन लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों से आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपको अपने पारिवारिक जनों तथा बन्धु वर्ग के मध्य यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित होगी तथा परस्पर संबध भी मधुर रहेंगे। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। फलतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध हो जाएंगे। आपकी मिष्ठान्न भक्षण में भी इस मास पूर्ण रूचि रहेगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा रहेगा तथा उसमें बल की वृद्धि होती रहेगी। शत्रुपक्ष को पराजित तथा भयभीत करने में भी आप सफल रहेंगे तथा सभी जनों से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। फलतः आपका पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार अदि कार्यो में भी आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिये अत्यंत ही शुभफलदायक रहेगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुखी रहेंगे तथा सन्तति पक्ष से भी सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या वस्तुओं की प्राप्ति भी हो सकती है। अतः प्रसन्नता पूर्वक इस मास को व्यतीत करने में आप सफल रहेंगे।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

नवम् मास
23/07/2026 15:26:05 से 23/08/2026 22:25:49 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	12:36:21
सूर्य		कर्क	पुष्य	06:21:19
चन्द्र		तुला	विशाखा	28:12:46
मंगल		वृष	रोहिणी	22:59:34
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:05:59
गुरु		कर्क	पुष्य	10:49:48
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:45:36
शनि		मीन	रेवती	20:30:34
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:00:04
केतु	व	सिंह	मघा	06:00:04
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	27:22:09

मासाधिपति

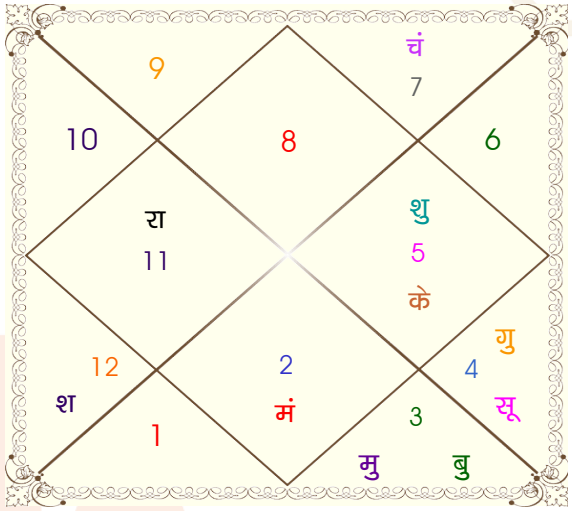

मासाधिपति : शनि

यह महीना आपके लिए अशुभ फल अधिक मात्रा में प्रदान करेगा तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय शत्रु पक्ष से आप चितित एवं भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे कई अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे।साथ ही इस मास में आपके घर में चोरी आदि भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में विघ्न बाधाएं आती रहेंगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वास्थ्य खराब रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट प्राप्त कर सकते है। इस समय दूर समीप की कोई यात्रा भी कर सकते है। साथ ही सांसारिक कार्यो से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्ययाधिक्य की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा एवं अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे एवं समाज में यथोचित सम्मान भी प्राप्त होगा।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

दशम् मास
23/08/2026 22:25:49 से 23/09/2026 20:00:28 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	भरणी	20:35:03
सूर्य		सिंह	मघा	06:21:19
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:39:45
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	13:51:07
बुध		सिंह	मघा	02:15:17
गुरु		कर्क	आश्लेषा	17:42:16
शुक्र		कन्या	हस्त	21:55:22
शनि	व	मीन	रेवती	19:52:14
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:35:49
केतु		सिंह	मघा	05:35:49
मुंथा		मिथुन	पुनर्वसु	29:52:09

मासाधिपति

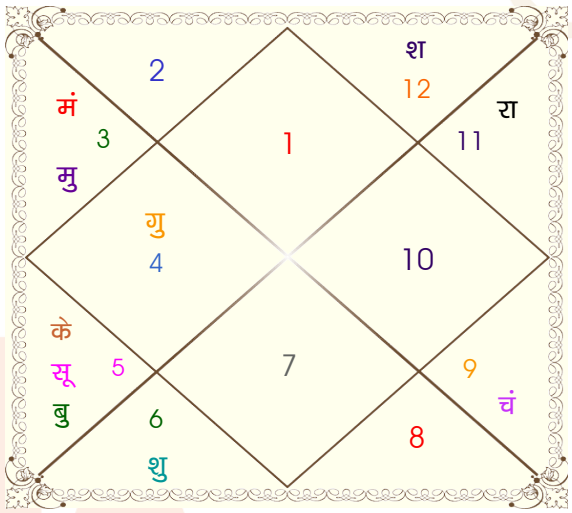

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे ।साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

एकादश मास
23/09/2026 20:00:28 से 24/10/2026 05:19:44 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	13:14:27
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:21:19
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	28:59:03
मंगल		कर्क	पुनर्वसु	03:05:34
बुध		कन्या	चित्रा	26:07:30
गुरु		कर्क	आश्लेषा	23:59:52
शुक्र		तुला	स्वाति	12:32:55
शनि	व	मीन	रेवती	17:55:05
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:22:28
केतु		सिंह	मघा	05:22:28
मुंथा		कर्क	पुनर्वसु	02:22:09

मासाधिपति

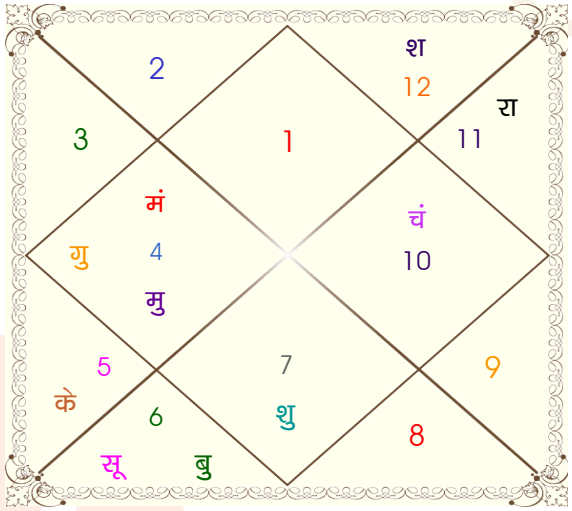

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही दुश्मन भी बलवान रहेंगे अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता रहेगी तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन या कोई कार्य छूट सकता है या बंद भी हो सकता है। साथ ही समाज में अन्य जनों से आपके विशेष मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि होने की संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी न्यूनाधिक सहयोग मिलता रहेगा। इसके साथ ही इस समय आप अपनी बुद्धिमता से धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में सफलता अर्जित कर सकेंगे।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

द्वादश मास

24/10/2026 05:19:44 से 23/11/2026 02:54:32 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	20:46:12
सूर्य		तुला	चित्रा	06:21:19
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	07:59:19
मंगल		कर्क	आश्लेषा	20:15:25
बुध		तुला	विशाखा	26:44:20
गुरु		कर्क	आश्लेषा	29:02:41
शुक्र	व	तुला	चित्रा	06:37:00
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:35:19
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	03:42:35
केतु	व	सिंह	मघा	03:42:35
मुंथा		कर्क	पुष्य	04:52:09

मासाधिपति

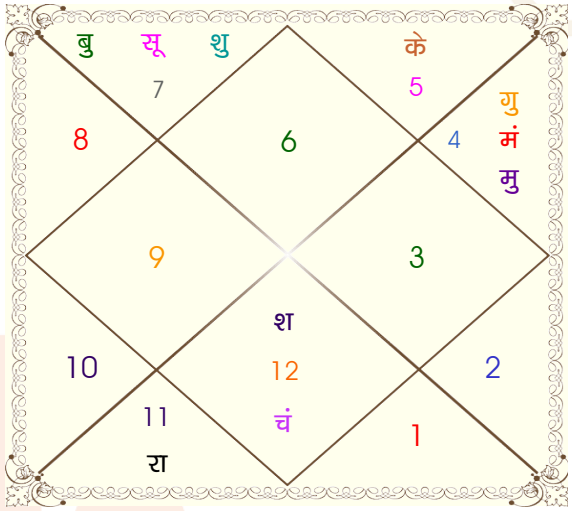

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय स्त्री पक्ष से लाभार्जन करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध हो जाएंगे इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आपकी रूचि उत्पन्न होगी। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे इस मास में आप इच्छित द्रव्यों को भी प्राप्त करेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज से पूर्ण सम्मान प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपको रूके कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ समय समय पर अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप ठंड या वात से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप भी करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप क्षति प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com